



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 190]
No. 190]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 29, 1997/आश्विन 7, 1919
NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 29, 1997/ASVINA 7, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

विषय : बिस्फेनोल-ए के आयात के विषय में पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा—अन्तिम निष्कर्ष

ए डी डी/आई डब्ल्यू/60/96.—भारत सरकार ने 1995 में यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, निर्धारण और वसूली तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए,

क. प्रक्रिया

1. निम्नलिखित क्रिया-विधि का अनुसरण किया है :

- पदनामित प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा जाएगा) ने केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचना सं. 102/94-सीमा शुल्क दिनांक 11 मार्च, 1994 द्वारा लगाए गए निश्चित पाटनरोधी शुल्क और अधिसूचना सं. 14/73/92-टी पी डी, दिनांक 18 फरवरी, 1994 द्वारा जापान मूल के अथवा वहां से निर्यातित बिस्फेनोल-ए के आयात पर संस्तुतित निश्चित पाटनरोधी-शुल्क की समीक्षा आरम्भ करने के लिए अधिसूचना सं. ए डी डी/आई डब्ल्यू/60/96 दि. 30 सितम्बर, 1996 द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- प्राधिकारी द्वारा अधिसूचना सं. 14/73/92-टी पी डी दिनांक 18 फरवरी 1994 द्वारा जो जांच सम्मन की गई थी उसे "उसे पूर्व की जांच" के रूप में उल्लेख किया गया है।
- प्राधिकारी ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमा शुल्क शीर्ष 2907.23 के अन्तर्गत वर्गीकृत जापान मूल के या वहां से निर्यात होने वाले बिस्फेनोल-ए (इसके बाद इसे देश-वस्तु के रूप में भी उल्लेख किया गया है) के आयात से संबंधित पाटनरोधी-शुल्क की समीक्षा शुरू करने के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण में दि. 30 सितम्बर, 1996 को प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों और उद्योग संगठनों (जिनके ब्योरे पहले की जांच-पड़ताल में याचिकाकर्ता केसर पेट्रो-प्रॉडक्ट्स लि. द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे) को अग्रसारित की और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार अपने लिखित विचारों से अवगत कराने का मौका दिया गया।

- (v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में ज्ञात सभी आयातकों और बिस्फेनोल-ए के उपभोक्ताओं को अग्रसारित की (जिनके ब्योरे पहले की जाँच-पड़ताल में केसर पेट्र-प्रॉडक्ट्स लि. द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे) और उन्हें पत्र जारी होने के चालीस दिनों के भीतर अपने लिखित विचारों से अवगत कराने का परामर्श दिया गया।
- (vi) समीक्षा अधिध समेत पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में बिस्फेनोल-ए के आयात के ब्योरे उपलब्ध करवाने के लिए केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से अनुरोध किया गया था। परन्तु सी बी ई सी से कोई सूचना नहीं मिली। प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए मित्सुई एंड कं. को प्रश्नावली भेजी, किन्तु पार्टी ने प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं भेजा है।
- (vii) नई दिल्ली स्थित जापान के दूतावास को नियम 6 (2) के अनुसार समीक्षा शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वह अपने देश के निर्यातकों/निर्माताओं को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर देने के लिए परामर्श दें। निर्यातकों को भेजी गई पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति समेत ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची दूतावास को भी भेजी गई थी। नई दिल्ली स्थित जापान के दूतावास ने जापान के ज्ञात निर्यातकों/निर्माताओं की सूची चाही थी, वह भी उन्हें दे दी गई थी। किन्तु, किसी अन्य निर्यातक/निर्माता ने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया।
- (viii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में बिस्फेनोल-ए के निम्नलिखित आयातकर्ताओं/उपभोक्ताओं को एक प्रश्नावली भेजी गई थी :—

सिंथेटिक्स एंड पॉलिमर्स इण्डस्ट्रीज, मुम्बई,

डॉ. बेक एंड कम्पनी (इण्डिया) लि., पुणे,

एस आई पी इंडस्ट्रीज लि., चेन्नई,

डॉ. ईक एंड कं. लि., पुणे,

पारीख रेसिंस एंड पॉलिमर, कानपुर,

उत्तमलाल एंड कं., मुम्बई,

धिमनलाल मंगनलाल एंड कं., मुम्बई,

बेता इंटरनेशनल, मुम्बई,

भारत जनरल टैक्सटाइल इंडस्ट्रीज, कलकत्ता,

सिबातुल लि., बलसाइ,

पारीख केमिकल इंडस्ट्रीज, कानपुर,

बंगाल पॉलि रेसिंस प्रा. लि., कलकत्ता,

स्पेसिलिटी केमिकल्स, मुम्बई,

डेल्टा इंडस्ट्रीज रेसिंस प्रा. लि., मुम्बई,

प्रगति केमिकल्स लि., मुम्बई,

एम. जे. एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., मुम्बई,

निम्नलिखित पार्टियों ने प्रत्युत्तर दिया :

सिबातुल लि.,

सिंथेटिक्स एंड पॉलिमर इंडस्ट्रीज,

प्रगति केमिकल्स लि.,

एस आई पी इंडस्ट्रीज लि.,

डॉ. डेक एंड कं. (इंडिया) लि.

(ix) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए केसर पेट्रो-प्रॉडक्ट्स लि. (इसके बाद इसे केसर पेट्रो के रूप में उल्लेख किया गया है) को एक प्रश्नावली भेजी गई थी। केसर प्रॉडक्ट्स ने अपना प्रत्युत्तर दिया है।

(x) प्राधिकारी ने मौखिक विचार सुनने के लिए 12 जून, 1997 को सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया, जिसमें निम्नलिखित उपस्थित हुए :

केसर पेट्रो,

सिबातुल लि.,

पारीख रेसिंस एंड पॉलिमर लि.,

*प्रगति केमिकल्स लि.

सार्वजनिक सुनवाई में भाग ले रही पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचार लिखित में पेश करें। इन पार्टियों को परामर्श दिया गया कि वे विरोधी पार्टियों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियां एकत्र करें और अपने खण्डन प्रस्तुत करें।

(xi) प्राधिकारी ने सुरक्षित रखी गई एक सरकारी फाइल के रूप में विभिन्न इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय विवरण उपलब्ध रखा और किसी इच्छुक पार्टी के निरीक्षण के लिए इसे खुला रखा,

(xii) 1 अप्रैल, 1995 से 31 मार्च, 1996 तक की अवधि की जांच-पड़ताल की गई थी।

ख. केसर पेट्रो के विचार

2. केसर पेट्रो ने निम्नलिखित टिप्पणियां प्रस्तुत कीं :—

- (i) बिस्फेनोल-ए और इसकी प्रमुख कच्ची सामग्रियां अर्थात् फिनोल और एसिटोन पर लगाए गए आयात-शुल्क में असंगतियां हैं जिसके फलस्वरूप कम्पनी को हानि हुई है,
- (ii) विदेशी निर्यातकों द्वारा न्यूनतम मूल्यों पर किए गए बिस्फेनोल-ए के पाटन ने घरेलू उद्योग को काफी क्षति पहुँचाई है जो रुग्णता और अव्यवहार्यता के कगार पर पहुँच गया है। जब तक पाटनरोधी शुल्क लगाकर आयात को प्रभावशाली ढंग से नियंत्रित नहीं किया जाता तब तक कम्पनी निरन्तर घाटे के कारण काम रोकने के लिए बाध्य हो सकती है।
- (iii) जापान से किए गए आयात पर पाटनरोधी शुल्क 27690 रुपये प्रति मी. टन तक बढ़ाया जाना चाहिए जो कि भारत में घरेलू उद्योग का उचित बिक्री मूल्य और जापान से हुए बिस्फेनोल-ए के निर्यात - मूल्य के बीच का अंतर है।

ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों के विचार

3. निर्यातकों/निर्माताओं में से किसी ने भी प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है और न ही किसी टिप्पणी की पेशकश की है। आयातकों और/अथवा उपभोक्तकों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं और उनका संक्षेप में नीचे उल्लेख किया गया है :

- (i) जापान से बिस्फेनोल-ए के आयात में 786 मी. टन (1991-92) से लगभग 43 मी. टन (1996-97) तक की गिरावट आई है।
- (ii) जापान में बिस्फेनोल-ए का सामान्य मूल्य, जैसा कि कुछ जापानी उपभोक्ताओं द्वारा समझा गया, लगभग 1180 अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन है। जापान से मौजूदा निर्यात-मूल्य 1250 अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन सी आई एफ, मुम्बई है। जापान में बिस्फेनोल-ए का सामान्य मूल्य भारत को किए गए निर्यात-मूल्य से कम है, इसलिए भारत में बिस्फेनोल-ए का पाटन नहीं किया जा रहा है।
- (iii) पहले की जांच-पड़ताल में अधिसूचित प्रारम्भिक परिणामों में प्राधिकारी द्वारा की गई टिप्पणियों के प्रकाश में केसर पेट्रो को अब कोई क्षति नहीं हुई है। यह निम्नलिखित तथ्यों से सिद्ध होता है :—

- घरेलू उद्योग को क्षति इस तथ्य के प्रकाश में सिद्ध हुई कि एक नया उद्योग स्थापित हो रहा है। यह दलील अब उपयुक्त नहीं ठहरती।
- जापान से आयात मूल्य के साथ जापान से आयात की मात्रा और केसर पेट्रो की वर्तमान बिक्री-कीमतें यह प्रमाणित करती हैं कि घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति या वास्तविक बाधा नहीं है,
- केसर पेट्रो को प्रभावित करने वाले आर्थिक संकेतक जैसे—उत्पादन, क्षमता, उपयोगिता, स्टॉक, बिक्री-मात्रा/बाजार-शेयर मूल्य-रुख और लाभ घरेलू उद्योग को हुई किसी प्रकार की क्षति का कोई संकेत नहीं देते हैं।

- (iv) प्रतिपाटन शुल्क को लगाने की वजह से जापान से उचित प्रतियोगिता में कमी आई है, जो कि प्राधिकारी द्वारा पहली जांच में दी गई टिप्पणियों के विपरीत है।
- (v) बिस्फेनोल-ए पर प्रति पाटन शुल्क लगाने के परिणामस्वरूप ऐपोकसी रेजिन की लागत में वृद्धि हुई है जो ऐपोकसी रेजिन के आयातों की प्रतिस्पर्धा पर विपरीत प्रभाव डालता रहा है।

(घ) प्राधिकारी द्वारा जांच

4. प्राधिकारी ने केसर पेट्रो, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य इच्छुक पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की, उन पर विचार किया और जहां उपयुक्त समझा गया, वहां इसके बाद कार्रवाई की गई।

(ङ) विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग तथा समान वस्तुएं

विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग तथा समान वस्तुओं से संबंधित पूर्व अधिसूचित अंतिम निष्कर्षों में कोई परिवर्तन नहीं है।

(च) डम्पिंग

सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने धारा 9 क(1) ग के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को निर्यातक संबंधी प्रश्नावलियां भेजीं। लेकिन, प्राधिकारी को किसी भी निर्यातक ने कोई जवाब नहीं भेजा और न ही कोई सूचना भेजी है। इसीलिए, प्राधिकारी का यह मानना है कि वस्तु देश के अधीन किसी भी निर्यातक ने नियमों के तहत उनको कोई सहयोग नहीं दिया है। प्राधिकारी का यह भी मानना है कि जापान में बिस्फेनोल-ए का सामान्य मूल्य स्थापित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी उन निर्यातकों/उत्पादकों की है, जो प्राधिकारी को सहयोग देने में विफल रहे हैं।

7. मैसर्स सिबातुल लि. और प्रगति कैमिकल लि. जैसे आयातकों द्वारा जापान में बिस्फेनोल-ए के सामान्य मूल्य के संबंध में किया गया दावा बिना किसी प्रमाण के आधार पर है और इसीलिए अपर्याप्त है। जापान में बिस्फेनोल-ए के सामान्य मूल्य के संबंध में इन पार्टियों द्वारा किया गया दावा रद्द किया जाता है।

8. प्राधिकारी यह बात करते हैं कि समीक्षा अवधि के दौरान जापान मूल से या वहां से निर्यातित बिस्फेनोल-ए का भारत में आयात हुआ था। लेकिन, बिस्फेनोल-ए के आयातकों ने समीक्षा अवधि के दौरान (केसर पेट्रो द्वारा उपलब्ध सूचना के अनुसार मैसर्स श्री राज कैमिकल और बंगाल पोलिरेजिन प्रा. लि.), प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया और न ही कोई सूचना भेजी है। जापान से बिस्फेनोल-ए का आयात करने में इन आयातकों द्वारा किए गए वास्तविक व्यय का ब्यौरा उपलब्ध नहीं है।

9. केसर पेट्रो ने सामान्य मूल्य एवं निर्यात मूल्य के संबंध में सूचना भेजी है। कंपनी ने जापान के घरेलू बाजारों में प्रचलित कीमतों के आधार पर बिस्फेनोल-ए के सामान्य मूल्य का दावा किया है। कंपनी ने जापान कैमिकल वीक को फोटो प्रतियां प्रस्तुत की हैं जिसमें 9-3-95 और 25-7-96 की स्थिति के अनुसार बिस्फेनोल-ए के मूल्य दर्शाए गए हैं। यद्यपि, केसर पेट्रो द्वारा दिया गया प्रमाण समीक्षा अवधि के बाद का है तथापि, जापान के निर्यातकों/उत्पादकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए और मैगजीन में प्रकाशित इन दो तारीखों के मूल्यों में निकट समानता को देखते हुए, प्राधिकारी उपरोक्त दोनों तारीखों को जापान कैमिकल वी में प्रकाशित मूल्यों के आधार पर जापान में बिस्फेनोल-ए का सामान्य मूल्य निर्धारित करना उपयुक्त समझते हैं।

10. मैसर्स एक्सपोनेंट इण्डिया द्वारा संकलित सूचनओं के आधार पर केसर पेट्रो ने बिस्फेनोल-ए का भारत में हुए आयातों का सौदे-बार और देश-बार ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। निर्यात मूल्य निर्धारित करने के लिए इस सूचना पर विश्वास किया गया है। निर्यातकों और आयातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए, भारत से किए गए बिस्फेनोल-ए के निर्यातों पर केसर पेट्रो द्वारा भुगतान किए गए भाड़े के आधार पर एक्सपोनेंट इण्डिया के अनुसार, निर्यात मूल्यों को समुद्री भाड़े के लिए समायोजित किया गया है। इस तरह से आए निर्यात मूल्य पर कारखानागत निर्यात मूल्य के रूप में विचार किया जा सकता है।

11. चूंकि वस्तु देशों के किसी भी निर्यातकों और भारत में किसी भी आयातकों से प्राधिकारी को कोई जवाब नहीं मिला है, इसलिए प्राधिकारी निजी निर्यातकों के लिए डम्पिंग मार्जिन की गणना नहीं कर सकता है। प्राधिकारी, केसर पेट्रो द्वारा दी गई सूचनाओं पर विचार कर सकता है क्योंकि सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के बीच और भारत औसत-सामान्य मूल्य का भारत औसत निर्यात मूल्य के साथ उचित तुलना करने के उद्देश्य से किसी भी पार्टी ने बिना पर्याप्त प्रमाण के कोई तथ्यात्मक सूचना नहीं दी है। इस तुलना पर कारखानागत आधार के रूप में विचार किया जा सकता है। तुलना 83% डम्पिंग मार्जिन दर्शाती है।

क्षति एवं कार्य-कारण संबंध

13. पाटित आयातों की मात्रा में कमी प्रभावी प्रतिपाटन शुल्कों को समाप्त करने के लिए अपर्याप्त है। मात्रा में यह कमी प्रतिपाटन शुल्क के लगाने के परिणामस्वरूप ही हो सकती है। प्रतिपाटन शुल्क को समाप्त करने की आवश्यकता तब होती है जब कि उत्पाद का निर्यात पाटित मूल्यों पर न किया जा रहा हो। अथवा उत्पादों का निर्यात ऐसी कीमतों पर किया जा रहा हो जिससे कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति न हो रही हो।

14. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारकों के आलोक में यह मानना असंगत होगा कि वस्तु देशों से आयात करने से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं होगी। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले किसी या सभी आर्थिक मापदण्डों में सुधार होना प्रतिपाटन शुल्क लगाने के परिणामस्वरूप हो सकता है। तथापि, घरेलू उद्योग को फिर भी क्षति होगी यदि उत्पाद पाटित मूल्य पर बेचा जा रहा है (जैसा कि मौजूदा मामले में है) और भारत में आयातित मर्दे ऐसी मूल्य पर पहुंच रही हैं जो घरेलू उद्योग के उचित बिक्री मूल्य से काफी कम हैं। इसलिए घरेलू उद्योगों को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदण्डों में सुधार, प्रतिपाटन शुल्क समाप्त करने के लिए उचित कारण नहीं है।

15. केसर पेट्रो के वर्तमान अथवा समीक्षा अवधि के विक्रय मूल्य यह निर्णय लेने के लिए असंगत हैं कि क्या पूर्व में लगाए गए प्रतिपाटन शुल्कों को जारी रखना आवश्यक है। घरेलू उद्योग का उचित बिक्री मूल्य और जापान से हुए आयातों का उतराई मूल्य (प्रचलित सीमा शुल्क सहित और प्रभावी प्रतिपाटन शुल्क को छोड़कर) ही यह निर्णय लेने के लिए युक्तिसंगत कारक हैं :—कि क्या पूर्व में लगाए गए प्रतिपाटन शुल्क को जारी रखना आवश्यक है।

पहुंच मूल्य

16. जापान से हुए आयातों को पहुंच मूल्य की गणना लागू सीमा शुल्कों और 1% उतराई एवं 2% रख-रखाव शुल्क को जोड़ने के बाद एक्सपोर्नेट इंडिया द्वारा संकलित ब्यौरों के अनुसार भारत और निर्यात मूल्य को ध्यान में रखकर की गयी है। जापान से हुए आयात पर लागू प्रतिपाटन शुल्क को पहुंच मूल्य में शामिल नहीं किया गया है।

अन्य मुद्दे

17. यह तथ्य कि बिस्केनोल-ए पर प्रतिपाटन शुल्क लगने से लक्ष्य उत्पाद, जैसे एपोक्सी रेजिन या पोलीकार्गोबोनट, के प्रतिस्पर्धात्मकता मूल्य को प्रभावित किया है, जो वर्तमान समीक्षा पर निर्णय लेने के लिए असंगत है।

18. बिस्केनोल-ए, फिनोल और ऐसीटोन पर लगने वाले सीमा शुल्कों में विसंगतियों वर्तमान समीक्षा क्षेत्र से बाहर हैं।

अंतिम निष्कर्ष

19. उपर्युक्त बातों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं, कि :—

- जापान मूल के या यहां से भारत को बिस्केनोल-ए का निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है।
- यदि लागू प्रतिपाटन शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होगी।
- यदि लागू प्रतिपाटन शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो, जापान से होने वाले आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति होगी।

20. जापान मूल के अथवा वहां से किए गए बिस्केनोल-ए के आयातों पर प्रतिपाटन शुल्क लगाए रखना उपयुक्त समझा जाता है।

21. इस बात पर विचार किया गया था कि क्या पहले जो शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी वह घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को रोकने में सक्षम होगा। इस प्रयोजन के लिए आयातों को भारत और उतराई कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से की गई थी। जहां यह अंतर उपरोक्त ब्यौरे के मुताबिक निर्धारित डम्पिंग मार्जिन से भी कम था वहां डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। तदनुसार यह सिफारिश की जाती है कि सीमा शुल्क के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले जापान मूल के अथवा वहां से निर्यातित बिस्केनोल-ए के सभी आयातों पर इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से की दर से प्रतिपाटन शुल्क लगाया जाए।

22. उपर्युक्त बातों के अध्यधीन 18 फरवरी, 1994 की अधिसूचना सं. 14/73/92-टी पी डी द्वारा अधिसूचित अंतिम निष्कर्षों में कोई परिवर्तन नहीं है।

23. इस आदेश के विरुद्ध एक अपील सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण में उक्त अधिनियम के अनुसार दायर की जाएगी।

दीपक घटजी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th September, 1997

Subject: Review of Anti-dumping duties concerning imports of Bisphenol-A -
final findings

ADD/IW/60/96.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. **PROCEDURE**

1. The Procedure described below has been followed
 - i. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) issued a public notice vide Notification no. ADD/IW/60/96 dated the 30th Sept., 1996, initiating review of definitive Anti Dumping Duty recommended on imports of Bisphenol-A originating in or exported from Japan vide notification no. 14/73/92-TPD dated 18th Feb., 1994 and definitive Anti Dumping Duties imposed by the Central Government vide notification no. 102/94-Custom dated 11th March, 1994.
 - ii. The investigations concluded by the Authority vide Notification no 14/73/92-TPD dated 18th Feb., 1994 have been referred to as "the previous investigations";
 - iii. The Authority issued a public notice dated 30th Sept. 1996 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating review of anti dumping duty concerning imports of Bisphenol-A, classified under custom

heading 2907.23 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Japan (also referred to as the subject country hereinafter);

- iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters and industry associations (whose details were made available by Kesar Petroproducts Ltd., the petitioner in the previous investigations) and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and consumers of Bisphenol-A in India (whose details were made available by Kesar Petroproducts Ltd. in the previous investigations) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Bisphenol-A in India during the past three years, including the period of review. No information was however, received from CBEC,
- vii. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to Mitsui & Co., Ltd., Japan., in accordance with the rule 6(4). The company, however, has not filed response to the questionnaire;
- viii. The Embassy of Japan in New Delhi was informed about the initiation of the review in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers. The Embassy of Japan in New Delhi desired a list of known exporters/producers in Japan, which was also supplied to them. No other exporter/producer, however, filed any response;

- ix. A questionnaire was sent to the following importers and/or consumers of Bisphenol-A in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4):

- ◆ Synthetics & Polymers Industries, Mumbai;
- ◆ Dr. Beck & Company (India) Ltd., Pune
- ◆ SIP Industries Ltd., Chinnai;
- ◆ Dr. EECK & Co. Ltd., Pune;
- ◆ Parikh Resins & Polymer, Kanpur;
- ◆ Uttamlal & Co., Mumbai;
- ◆ Chimanlal Manganlal & Co., Mumbai;
- ◆ Beta International, Mumbai;
- ◆ Bharat General Textile Industries, Calcutta;
- ◆ Cibatul Ltd., Valsad;
- ◆ Parikh Chemical Industries, Kanpur;
- ◆ Bengal Poly Resins Pvt. Ltd., Calcutta;
- ◆ Speciality Chemicals, Mumbai;
- ◆ Delta Industries Resins Pvt. Ltd., Mumbai;
- ◆ Pragati Chemical Ltd., Mumbai;
- ◆ M J Exports Pvt. Ltd., Mumbai;

The following parties filed response:

- ◆ Cibatul Ltd.;
- ◆ Synthetics & Polymer Industries;
- ◆ Pragati Chemicals Ltd.;
- ◆ SIP Industries Ltd.;
- ◆ Dr. Deck & Co. (India) Ltd.

- x. A questionnaire was sent to Kesar Petroproducts Ltd. (referred to as Kesar Petro hereinafter) calling for necessary information
Kesar Petro filed its response;

- xi. The Authority held a public hearing on 12th June, 1997 to hear the views orally, which was attended by the following:

- Kesar Petro;
- Cibatul Ltd.;
- Parikh Resins & Polymers Ltd.;
- Pragati Chemicals Ltd.

The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals;

- xii. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained and kept open for inspection by an interested party;
- xiii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 1995 to 31st March, 1996.
- xiv. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

B. VIEWS OF KESAR PETRO

- 2. Kesar Petro made the following submissions:
 - i) There are anomalies in import duty on Bisphenol-A and its major raw materials, i.e., Phenol and Acetone, resulting in disadvantages to the company;
 - ii) Dumping of Bisphenol-A by overseas exporters at very low prices has injured the domestic industry substantially which is at the verge of becoming sick and unviable. Unless imports are effectively controlled by imposition of anti-dumping duties, the company may be forced to stop operations due to continuous losses;

- iii) The anti-dumping duty on imports from Japan should be increased to Rs. 27690 pmt, which is the difference between fair selling price of the domestic industry in India and the export price of Bisphenol-A from Japan.

C. **VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

3. None of the exporters/producers have responded to the Authority and offered any comments. The importers and/or consumers have expressed their views, and the same are briefly mentioned below:
- i) Import of Bisphenol-A from Japan have declined from 786 MT (1991-92) to approx. 43 MT (1996-97),
- ii) The normal value of Bisphenol-A in Japan, as given to understand by some Japanese indentors, is approx. US \$ 1180 pmt. The current export price from Japan is US \$ 1250 pmt, CIF Mumbai. The normal value of Bisphenol-A in Japan being lower than the export price to India, Bisphenol-A is not being dumped in India;
- iii) There is no injury to Kesar Petro now in the light of the observations made by the Authority in the preliminary findings notified in the previous investigations. This is borne by the following facts:
- The injury to the domestic industry was established in the light of the fact that a new industry was being set up. This argument does not hold good now;
 - The volume of imports from Japan together with import price from Japan and present selling prices of Kesar Petro proves that there is no material injury or material retardation to the domestic industry;
 - Economic indicators affecting Kesar Petro, such as production, capacity utilisation, stocks, sales volume, market share, price trends and profitability does not indicate any injury to the domestic industry;

- iv) Fair competition from Japan has reduced because of imposition of anti-dumping duties, contrary to the observations made by the Authority in the previous investigations;
- v) Imposition of anti-dumping duty on Bisphenol-A has resulted in increasing the epoxy resin costs, adversely affecting its competitiveness against the imports of epoxy resin.

D. **EXAMINATION BY AUTHORITY**

- 4. The submissions made by Kesar Petro, importers, consumers and other interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt hereinafter.

E. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION, DOMESTIC INDUSTRY AND LIKE ARTICLES**

- 5. The final findings notified earlier with regard to the product under consideration, domestic industry and like articles remain unchanged.

F. **DUMPING**

Normal value

- 6. The Authority sent exporters questionnaire to the known exporter for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)c. However, none of the exporters responded to the Authority nor furnished any information. The Authority, therefore, holds that none of the exporters from the subject country have co-operated with the Authority as envisaged under the Rules. The Authority also holds that the primary responsibility to establish normal value of Bisphenol-A in Japan rests with the exporters/producers, who have failed to co-operate with the Authority.
- 7. The claim with regard to the normal value of Bisphenol-A in Japan made by importers, M/s. Cibatul Ltd and Pragati Chemicals Ltd is without any evidence and, therefore, unsubstantiated. The claims

made by these parties with regard to the normal value of Bisphenol-A in Japan is rejected.

8. The Authority notes that there were imports of Bisphenol-A in India originating in or exported from Japan during the period of review. But the importers of Bisphenol-A during the period of review (M/s. Shree Raj Chemicals and Bengal Poly Resin Pvt. Ltd., as per information made available by Kesar Petro) have not co-operated with the Authority and have not furnished any information. The details of actual expenditure incurred by these importers on import of Bisphenol-A from Japan are, therefore, not available.
9. Kesar Petro has furnished information with regard to normal value and export price. The company has claimed normal value of Bisphenol-A in Japan on the basis of the prices prevailing in the domestic market in Japan. The company has produced photocopies of Japan Chemical Week, indicating the prices of Bisphenol-A as on 9.3.95 and 25.7.96. Though the evidence produced by Kesar Petro falls beyond the review period, yet in view of non-co-operation from the exporters/producers from Japan and near consistency in the prices published in the magazine on the two dates, the Authority considers it appropriate to determine the normal value of Bisphenol-A in Japan on the basis of the prices published in Japan Chemical Week for the above mentioned two dates.
10. Kesar Petro furnished transaction wise and country-wise details of imports of Bisphenol-A into India on the basis of information compiled by M/s. Exponet India, Mumbai. This has been relied upon for determination of export price. The export prices as per Exponet India have been adjusted for ocean freight on the basis of freight paid by Kesar Petro on its exports of Bisphenol-A made from India, in view of non-co-operation from the exporters and importers. The export price so arrived has been considered as ex-works export price.
11. Since none of the exporters from the subject country and importers in India have responded to the Authority, the Authority has not

determined dumping margins for individual exporters. The Authority took into account the information furnished by Kesar Petro, as no other party has furnished any factual information with sufficient evidence, for the purpose of fair comparison between the normal value and the export price and compare normal value with weighted average export price. The comparison has been considered as on ex-works basis. The comparison shows dumping margin of 83 percent of export price.

G. INJURY AND CAUSAL LINK

12. Decline in volume of dumped imports is insufficient to warrant removal of anti-dumping duties in force. The decline in the volume may be a result of the very imposition of anti-dumping duties. The anti-dumping duties are required to be removed only if the product is not being exported at dumped prices and/or the product is being exported at such prices that it would not cause injury to the domestic industry.
13. It would be inappropriate to hold that the imports from the subject country would not cause injury to the domestic industry in the light of the economic parameters affecting the domestic industry. The improvement in any or all the economic parameters affecting the domestic industry could be a result of the very fact of imposition of anti-dumping duties. The injury to the domestic industry would, however, recur in case the product is being sold at dumped prices (as the case is in the instant case) and the imports are entering at such prices in India which is significantly lower than the fair selling price of the domestic industry. The improvement in the economic parameters affecting the domestic industry does not, therefore, warrant removal of anti-dumping duty.
14. The present selling price of Kesar Petro or in the review period is irrelevant to decide whether the anti-dumping duty recommended earlier is required to be continued. The fair selling price of the domestic industry and the landed value of imports from Japan (including the

prevailing level of customs duties and excluding the anti-dumping duty in force) are the only relevant factors to decide whether the anti-dumping duty recommended earlier is required to be continued.

H. **LANDED VALUE:**

15. The landed value of imports from Japan has been calculated considering the weighted average export price as per the details compiled by Exponet India, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges. The anti dumping duty in force on imports from Japan has not been included in the landed values.

I. **OTHER ISSUES**

16. The fact that the imposition of anti-dumping duties on Bisphenol-A has affected the price competitiveness of the end product, i.e., epoxy resins or polycarbonates is irrelevant to decide the present review.
17. The anomalies in the prevailing structure of customs duties on Bisphenol-A, Phenol, and Acetone are beyond the scope of the present review.

J. **FINAL FINDINGS**

17. The Authority concludes, after considering the foregoing, that:
- Bisphenol-A originating in or exported from Japan has been exported to India below its normal value;
 - the domestic industry would suffer material injury in case the anti-dumping duty in force is removed;
 - the injury to the domestic industry would be caused from imports from Japan in case the anti-dumping in force is removed.
18. It is considered appropriate to continue the imposition of anti dumping duty on imports of Bisphenol-A originating in or exported from Japan.

19. It was considered whether the duty recommended earlier would be sufficient to prevent the injury to the domestic industry. The weighted average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry determined for the period of investigation. Wherever the difference is lower than the dumping margin, determined as detailed hereinabove, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is recommended that anti dumping duty of Rs. 8434 per MT be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of Bisphenol-A, falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, originating in or exported from Japan.
20. Subject to above, the final findings notified vide notification no. 14/73/92-TPD dated 18th Feb., 1994 are unaltered.
21. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority

